वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी - एक्सटर्नल (External)

(2018 - 2019, 2019 - 2020, एवम् 2020 – 2021 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र – 03. छायावादी कविता :(राग - विराग 'निराला' - रामविलास शर्मा , भष्मांकुर- नागार्जुन): (मुख्य और गौण) –

(Core Co. 03 - Elective Co. - 03) (Total Marks – 100)

पाठ्य पुस्तक : 1. राग - विराग 'निराला' – सम्पादित : रामविलास शर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद)

2. भष्मांकुर – नागार्जुन (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र : (चुनी हुई कविताओं की समीक्षा एवं अध्ययन)

ईकाई – 1.

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का व्यक्तित्व और कृतित्व : सामान्य परिचय,
बदलराग -६, जूही की कलि, तोडती पत्थर , जागो फिर एकबार- १ - कविताओं का अध्ययन।

ईकाई – 2.

स्नेह निर्झर बह गया, वर दे विणावादिनी वर दे, सखि वसंत आया,
बीन की झंकार कैसी बस गयी, खुला आसमान - कविताओं का अध्ययन।

ईकाई - 3.

नागार्जुन का व्यक्तित्व एवम् कृतित्व, आख्यान काव्य : परिभाषा एवम् लक्षण,

'भष्मंकुर' की कथावस्तु, 'भाष्मंकुर' का काव्य– स्वरूप ।

ईकाई - 4.

'भष्मांकुर' के पात्र : कामदेव, रति आदि का चरित्र - चित्रण चरित्र - चित्रण ,
'भष्मांकुर' में पौराणिक प्रसंग - वर्णन , 'भष्मांकुर' में मौलिकता एवं आधुनिकता ।

ईकाई – 5. (अ)

बादल छाये, मुशीबत में काटे हैं दिन, रंग गयी पग-पग धन्य धरा, मरण को जिसने वरा है ,
जल्द-जल्द, पैर बढाओ, कुंज-कुंज कोयल बोली, कठिन यह संसार, गीत गाने दो मुझे तो-
कविताओं का अध्ययन ।

ईकाई – 5. (ब)

'भष्मांकुर' में संवाद– योजना, 'भष्मांकुर' में देशकाल का चित्रण, 'भष्मांकुर' शीर्षक की सार्थकता, 'भष्मांकुर' में करूण रस , 'भष्मांकुर' काव्य का उद्देश्य , 'भष्मांकुर' का भाव-पक्ष और कला-पक्ष, 'भष्मांकुर' में शृंगार रस ।

अंक विभाजन : पांच प्रश्न लिखने है | सभी प्रश्नों के अंक समान हैं |

ईकाई 1,2,3 और 4 से एक– एक आलोचनात्मक प्रश्न (20 x 4 = 80)

ईकाई 5 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (10 x 2 = 20)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली)
2. निराला-संपा. डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
3. निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ– डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
5. हिंदी साहित्य का इतिहास– रामचंद्र शुक्ल
6. नयी कविता की प्रबंध– चेतना – डॉ. महावीरसिंह चौहान
7. आधुनिक प्रबंधकाव्य : संवेदना के धरातल– संपा. डॉ. विनोद गोदरे
8. हिंदी के खंडकाव्यों में युग बोध– डॉ. राज भारद्वाज
9. हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्यांकन - संपा. डॉ. यश गुलाटी
10. हिंदी साहित्य में रूपक कथा– काव्य: उद्धव और विकास– डॉ. नूरजहाँ बेगम
11. हिंदी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खंडकाव्य- डॉ. कविता शर्मा (पार्श्व पब्लिकेशन,अहमदाबाद)

==========

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी - एक्सटर्नल (External)

(2018 - 2019, 2019 - 2020, एवम् 2020 – 2021 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र – 04. हिंदी उपन्यास– (अनारो- मंजुल भगत, दिव्या- यशपाल): (मुख्य और गौण)–

(Core Course. 04 - Elective Course. - 04) (Total Marks – 100)

पाठ्यपुस्तक :

1. अनारो : मंजुल भगत (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली)
2. दिव्या– यशपाल (लोकभारती प्रकाशन , इलाहबाद)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

ईकाई – 1.

मंजुल भगत का साहित्यिक परिचय, उपन्यास के कला तत्वों का परिचय,
'अनारो' में अभिव्यक्त नारीवादी चिन्तन , 'अनारो' उपन्यास का कथानक मूल्यांकन।

ईकाई – 2.

'अनारो' उपन्यास के मुख्य और गौण पात्रों की विशेषताएँ - चरित्र चित्रण |
'अनारो' उपन्यास का भावपक्ष और कला पक्ष|

ईकाई – 3.

यशपाल का साहित्यिक परिचय, उपन्यास के कला तत्वों का परिचय,
'दिव्या': ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित उपन्यास के रूप में,
'दिव्या' उपन्यास का कथानक– मूल्यांकन , 'दिव्या' उपन्यास में सामाजिकता ।

ईकाई – 4.

'दिव्या' उपन्यास के मुख्य पात्र : विशेषतायें , चरित्र- चित्रण |
'दिव्या' उपन्यास के गौण पात्र : विशेषतायें , चरित्र - चित्रण।
'दिव्या' उपन्यास का भावपक्ष और कला पक्ष ।

ईकाई – 5. (अ)

'अनारो' उपन्यास की भाषा-शैली, 'अनारो' उपन्यास का उद्देश्य, 'अनारो' उपन्यास
शीर्षक की सार्थकता ,'अनारो' उपन्यास में संवाद, 'अनारो' उपन्यास में वातावरण-योजना

ईकाई – 5. (ब)

'दिव्या' उपन्यास में संवाद, 'दिव्या' उपन्यास वातावरण-योजना, 'दिव्या' उपन्यासकी भाषा-शैली, 'दिव्या' उपन्यास का उद्देश्य, 'दिव्या' उपन्यास शीर्षक की सार्थकता, 'दिव्या' उपन्यास में यथार्थ और कल्पना।

अंक विभाजन : पांच प्रश्न लिखने है | सभी प्रश्नों के अंक समान हैं |

ईकाई 1,2,3 और 4 से एक– एक आलोचनात्मक प्रश्न (20 x 4 = 80)

ईकाई 5 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (10 x 2 = 20)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास– डॉ. गोपाल राय
2. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ– डॉ. शशीभूषण सिंहल (विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा)
3. उपन्यास-स्थिति और गति (प्रथम खण्ड)– चन्द्रकांत बांडिवडेकर
4. समकालीन हिंदी साहित्य-विविध विमर्श– संपा. श्रीराम शर्मा
5. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य– विजयमोहन सिंह (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. मिस फोकलोर– देवेन्द्र सत्यार्थी (पुस्तकायन , नई दिल्ली)
7. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा– रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. हिंदी उपन्यास– डॉ. सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन)
9. हिंदी के बहुचर्चित उपन्यास– भगवतीशरण मिश्र
10. उपन्यास-स्थिति और गति (प्रथम खण्ड)– चन्द्रकांत बांडिवडेकर
11. समकालीन हिंदी साहित्य-विविध विमर्श– संपा. श्रीराम शर्मा
12. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा– रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
13. हिंदी उपन्यास– डॉ. सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन)

==========